भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1067

उत्तर देने की तारीख 29 जुलाई, 2024

सोमवार, 7 श्रावण, 1946 (शक)

गुजरात में कौशल भारत मिशन

1067. श्री हरीभाई पटेल:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान 'कौशल भारत' योजना के अंतर्गत गुजरात के जिलों में अब तक किए गए कार्यों का ब्यौरा क्या है;

(ख) गुजरात में उक्त योजना के माध्यम से जिले-वार और वर्ष-वार कितने लोगों को प्रशिक्षित किया गया और उन्हें रोजगार प्रदान किया गया; और

(ग) 'कौशल भारत' योजना के अंतर्गत इन जिलों में शुरू किए जाने वाले कार्यों का ब्यौरा क्या है और इन्हें कब तक पूरा कर लिया जाएगा?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क से ग) कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) भारत सरकार**,** कुशल भारत मिशन (सिम) के अंतर्गत विभिन्न स्कीमों अर्थात प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन स्कीम (एनएपीएस) और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से शिल्पकार प्रशिक्षण स्कीम (सीटीएस) के अंतर्गत कौशल विकास केंद्रों/संस्थानों के एक व्यापक नेटवर्क के माध्यम से गुजरात राज्य सहित देश भर के समाज के सभी वर्गों का कौशलीकरण, पुनर्कौशलीकरण और कौशलोन्नयन प्रशिक्षण प्रदान करता है। इन स्कीमों का कार्यान्वयन मांग-आधारित है और तदनुसार कौशल केंद्र खोले जाते हैं। सिम का उद्देश्य भारत के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करना है, उन्हें उद्योग से संबंधित कौशल से लैस करना है। इन स्कीमों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई): पीएमकेवीवाई स्कीम का उद्देश्य देश भर के युवाओं को अल्पावधि प्रशिक्षण (एसटीटी) के माध्यम से कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करना तथा पूर्व शिक्षण मान्यता (आरपीएल) के माध्यम से कौशलोन्नयन एवं पुनर्कौशालीकरण करना है।

जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) स्कीम: जेएसएस का मुख्य लक्ष्य निरक्षर, नव-साक्षर और प्राथमिक स्तर की शिक्षा प्राप्त व्यक्तियों तथा 15-45 वर्ष की आयु-वर्ग के 12वीं कक्षा तक स्कूली पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले व्यक्तियों को व्यावसायिक कौशल प्रदान करना है, जिसमें दिव्यांगजनों और अन्य योग्य मामलों में उचित आयु में छूट दी जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी कम आय वाले क्षेत्रों में महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों को प्राथमिकता दी जाती है।

राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन स्कीम (एनएपीएस): यह स्कीम शिक्षुता प्रशिक्षण को बढ़ावा देने और शिक्षुओं को वृत्तिका के भुगतान के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके शिक्षुओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए है। प्रशिक्षण में बुनियादी प्रशिक्षण और उद्योग में कार्यस्थल पर कार्यरत प्रशिक्षण/व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल है।

शिल्पकार प्रशिक्षण स्कीम (सीटीएस): यह स्कीम देश भर में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से दीर्घावधि प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए है। आईटीआई कई प्रकार के व्यावसायिक/कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं, जो बड़ी संख्या में आर्थिक क्षेत्रों को कवर करते हैं, जिसका उद्देश्य उद्योग को कुशल कार्यबल प्रदान करना और युवाओं को स्व-रोजगार प्रदान करना है।

विगत तीन वर्षों (वित्त-वर्ष 2021-22, वित्त-वर्ष 2022-23 और वित्त-वर्ष 2023-24) के दौरान एमएसडीई की पीएमकेवीवाई, जेएसएस, एनएपीएस और सीटीएस स्कीमों के अंतर्गत गुजरात राज्य में प्रशिक्षित उम्मीदवारों की जिलेवार संख्या क्रमशः **अनुबंध-I** से **अनुबंध-IV** में दी गई है।

पीएमकेवीवाई स्कीम के पहले तीन संस्करणों में पूर्ण एसटीटी घटक में नियोजन को ट्रैक किया गया था, जो कि पीएमवीवाई 1.0, पीएमकेवीवाई 2.0 और पीएमकेवीवाई 3.0 है, जिन्हें वित्त-वर्ष 2015-16 से वित्त-वर्ष 2021-22 तक कार्यान्वित किया गया। नियोजन को पीएमकेवीवाई 4.0 से पृथक कर दिया गया है, स्कीम का वर्तमान संस्करण वित्त-वर्ष 2022-23 से कार्यान्वित किया जा रहा है। पिछले तीन वर्षों (वित्त-वर्ष 2019-20, 2020-21, 2021-22) के दौरान पीएमकेवीवाई के एसटीटी घटक के अंतर्गत गुजरात राज्य में नियोजित उम्मीदवारों का जिला-वार विवरण **अनुबंध-V** में दिया गया है।

अनुबंध-I

"गुजरात में कौशल भारत मिशन" के संबंध में दिनांक 29.07.2024 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1067 के उत्तर के संदर्भ में

पिछले तीन वर्षों (वित्त वर्ष 2021-22, वित्त वर्ष 2022-23 और वित्त वर्ष 2023-24) के दौरान पीएमकेवीवाई के तहत गुजरात में प्रशिक्षित उम्मीदवारों की जिले-वार संख्या:

जिला	वित्त वर्ष 2021-22	वित्त वर्ष 2022-23	वित्त वर्ष 2023-24
अहमदाबाद	3,610	553	1,588
अमरेली	357	72	738
आनंद	543	320	313
अरवल्ली	-	20	171
बनास काँथा	4,386	102	592
भरूच	521	378	79
भावनगर	561	60	467
बोटाड	405	147	373
छोटाउदेपुर	200	240	524
डैंग	281	163	75
देवभूमि द्वारका	304	8	-
दाहोद	173	180	201
गांधीनगर	1,721	400	601
गिर सोमनाथ	385	-	96
जामनगर	1,393	406	709
जूनागढ़	766	394	621
कच्छ	1,544	389	309
खेड़ा	574	49	89
महेसाणा	2,566	95	2,201
महीसागर	260	111	441
मोरबी	320	20	218
नर्मदा	314	230	550
नवसारी	348	318	437
पंचमहल	279	240	454
पाटन	1,080	148	1,882
पोरबंदर	180	32	-
राजकोट	808	238	80
साबर कंथा	445	54	493
सूरत	8,018	487	4,808
सुरेंद्रनगर	200	-	101
तापी	387	236	533
वडोदरा	1,529	170	126
वलसाड	543	243	199

<u>अनुबंध-II</u>

पिछले तीन वर्षों (वित्त वर्ष 2021-22, वित्त वर्ष 2022-23 और वित्त वर्ष 2023-24) के दौरान गुजरात में जेएसएस के तहत प्रशिक्षित उम्मीदवारों की जिले-वार संख्या:

जिला	2021-22	2022-23	2023-24
अहमदाबाद	1560	2497	0
बनास काँथा	1549	0	0
भरूच	1800	2540	1560
गांधीनगर	1800	2700	1800
कच्छ	1800	2700	1800
महेसाणा	1800	2700	1800
पाटन	1800	2680	1800
साबर कंथा	1799	2700	1800
सूरत	1800	2700	1800
वडोदरा	1720	0	0
वलसाड	1800	2700	1800

अनुबंध-III

पिछले तीन वर्षों (वित्त वर्ष 2021-22, वित्त वर्ष 2022-23 और वित्त वर्ष 2023-24) के दौरान एनएपीएस के तहत गुजरात में प्रशिक्षित उम्मीदवारों की जिले-वार संख्या:

जिला	वित्त वर्ष -21-22	वित्त वर्ष -22-23	वित्त वर्ष -23-24
अहमदाबाद	8,737	8,947	12,603
अमरेली	908	812	617
आनंद	672	919	1,149
अरवल्ली	281	357	289
बनास काँथा	853	902	910
भरूच	2,688	3,346	3,797
भावनगर	1,080	1,091	1,418
बोटाड	190	231	257
छोटाउदेपुर	71	146	123
डैंग	67	46	37
देवभूमि द्वारका	384	384	563
दाहोद	291	323	511
गांधीनगर	2,089	1,742	1,923
गिर सोमनाथ	498	394	419
जामनगर	839	592	768
जूनागढ़	759	820	807
कच्छ	1,939	1,458	1,706
खेड़ा	1,090	1,042	1,038
महेसाणा	1,646	1,668	1,997
महीसागर	189	170	203
मोरबी	949	676	640
नर्मदा	73	87	42
नवसारी	438	560	909
पंचमहल	1,704	1,138	1,599
पाटन	456	479	530
पोरबंदर	554	379	245
राजकोट	2,710	3,098	2,800
साबर कंथा	1,017	978	1,020
सूरत	3,292	3,797	4,743
सुरेंद्रनगर	621	684	639
तापी	576	436	431
वडोदरा	5,643	5,154	5,864
वलसाड	3,906	2,939	3,259

अनुबंध-IV

पिछले तीन वर्षों (वित्त वर्ष 2021, वित्त वर्ष 2022 और वित्त वर्ष 2023) के दौरान सीटीएस के तहत गुजरात में प्रशिक्षित उम्मीदवारों की जिले-वार संख्या:

जिला	2021	2022	2023
अहमदाबाद	6223	6726	7784
अमरेली	1750	1650	2234
आनंद	2684	2789	3408
अरवल्ली	2939	3099	3790
बनास काँथा	3414	4022	4414
भरूच	2621	3029	3025
भावनगर	2336	2282	3157
बोटाड	482	586	798
छोटाउदेपुर	903	975	1311
डैंग	329	400	460
देवभूमि द्वारका	758	801	769
दाहोद	4386	4575	5119
गांधीनगर	1922	2054	2623
गिर सोमनाथ	1026	1052	1164
जामनगर	1895	1800	2239
जूनागढ़	2176	2344	2729
कच्छ	2256	2629	2589
खेड़ा	3025	3330	3760
महेसाणा	4591	4591	5819
महीसागर	1937	1543	1945
मोरबी	571	671	659
नर्मदा	732	760	896
नवसारी	3223	3695	3897
पंचमहल	4982	5226	5786
पाटन	2389	2421	2748
पोरबंदर	522	473	597
राजकोट	2422	2477	3006
साबर कंथा	2555	2782	3251
सूरत	4231	3876	4535
सुरेंद्रनगर	2540	2544	2782
तापी	1624	1562	1862
वडोदरा	5602	5574	6257
वलसाड	2190	2309	2931

अनुबंध-V

पिछले तीन वर्षों (वित्त वर्ष 2019-20, 2020-21, 2021-22) के दौरान पीएमकेवीवाई के एसटीटी घटक के तहत गुजरात में नियोजित उम्मीदवारों का जिला-वार विवरण:

जिला	वित्त वर्ष 2019-20	वित्त वर्ष 2020-21	वित्त वर्ष 2021-22
अहमदाबाद	5,588	980	282
अमरेली	348	188	-
आनंद	590	249	-
अरवल्ली	3	-	-
बनास काँथा	493	-	-
भरूच	867	640	17
भावनगर	1,578	136	-
बोटाड	454	207	-
छोटाउदेपुर	344	612	25
डैंग	283	71	-
देवभूमि द्वारका	63	30	-
दाहोद	336	-	-
गांधीनगर	346	188	274
गिर सोमनाथ	465	88	46
जामनगर	2,522	709	263
जूनागढ़	1,593	276	173
कच्छ	1,559	620	224
खेड़ा	726	167	-
महेसाणा	1,424	16	27
महीसागर	296	48	75
मोरबी	1,221	462	295
नर्मदा	360	248	-
नवसारी	420	81	1
पंचमहल	568	392	21
पाटन	256	-	-
पोरबंदर	274	-	-
राजकोट	1,450	700	27
साबर कंथा	253	3	-
सूरत	3,543	1,068	1
सुरेंद्रनगर	1,142	1,280	313
तापी	464	156	1
वडोदरा	1,422	728	8
वलसाड	979	568	-

******